

Total No. of Printed Pages—8

HS/XII/A. Sc. Com/H/24

2 0 2 4

HINDI

(Modern Indian Language)

Full Marks : 100

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

General Instructions :

- (i) Write all the answers in the Answer Script.
- (ii) Attempt Part—A (Objective Questions) serially.
- (iii) Attempt all parts of a question together at one place.

(PART : A—OBJECTIVE)

(Marks : 50)

- 1.** पाठ्यपुस्तक के आधार पर जो कथन सत्य है, उसके सामने 'सही' और जो गलत है, उसके सामने 'गलत' लिखिए (कोई दस) : 1×10=10
- (क) जगजीवन से पूरी तरह निरपेक्ष रहना संभव है।
 - (ख) हर बात के लिए कुछ खास शब्द नियत होते हैं।
 - (ग) कवि शमशेर बहादुर सिंह की पहचान एक बिंबधर्मी कवि के रूप में है।
 - (घ) क्रांति हमेशा वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।
 - (ङ) ऊँचे बाजार का आमंत्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है।
 - (च) चार्ली की अधिकांश फिल्में भाषा का इस्तेमाल करती हैं।
 - (छ) सुनील दासगुप्त आयकर अधिकारी थे।

(2)

- (ज) तुलसीदास रक्त संबंध की मर्यादा पर आदर्शीकृत गृहस्थ जीवन के चितरे कवि हैं।
(झ) रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकारकर चुनौती देती रहती थी।
(ञ) प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता का विकास करने का पूरा प्रोत्साहन देना सर्वथा अनुचित है।
(ट) 'रामचरितमानस' हिन्दी का एक अद्वितीय महाकाव्य है।
(ठ) 14 अप्रैल, 1890 को जन्मे बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर मानव मुक्ति के पुरोधा थे।

2. कोष्ठकों में दिए गए शब्दों में से उपयुक्त शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए (कोई पाँच) : 1×5=5

- (क) _____ में परिस्थिति को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है। (बैलों/कुत्तों)
(ख) चालीं किसी भी संस्कृति को _____ नहीं लगते। (विदेशी/स्वदेशी)
(ग) शून्य होने का अधिकार बस _____ का है जो सनातन भाव से संपूर्ण है। (आत्मा/परमात्मा)
(घ) आगि बड़वागिते बड़ी है आगि _____. (मनकी/पेटकी)
(ङ) बादलों के अंग-अंग में _____ सोई हैं। (बिजलियाँ/तितलियाँ)
(च) मुश्किल सिर्फ इतनी थी कि भरी हुई _____ दोनों के हाथों में थीं। (संदूकें/बंदूकें)
(छ) मैं भव मौजों पर _____ बहा करता हूँ। (मस्त/प्रस्त)

3. प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए (कोई पाँच) : 1×5=5

- (क) 'बात की पेंच खोलना' का क्या अर्थ है?
(i) बात का पकड़ में न आना
(ii) बात को सहज और स्पष्ट करना
(iii) बात का प्रभावहीन हो जाना
(iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(3)

(ख) “लोग स्परिचुअल कहते हैं, आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं।”
उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ की है?

- (i) नमक
- (ii) श्रमविभाजन और जातिप्रथा
- (iii) बाजार दर्शन
- (iv) भक्तिन

(ग) डॉ० भीमराव अंबेडकर ने बौद्ध धर्म किस वर्ष में अपनाया था?

- (i) 1955
- (ii) 1956
- (iii) 1957
- (iv) 1958

(घ) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना शमशेर बहादुर सिंह की नहीं है?

- (i) कुछ कविताएँ
- (ii) कोई दूसरा नहीं
- (iii) इतने पास अपने
- (iv) बात बोलेगी

(ङ) ‘आवारा’ चार्ली चैप्लिन के किस फिल्म का शब्दानुवाद था?

- (i) द सेव्थ सील
- (ii) मेट्रोपोलिस
- (iii) द सैक्रिफाईस
- (iv) द ट्रैम्प

(च) नज़रूल और टैगोर का उल्लेख किस पाठ में हुआ है?

- (i) पहलवान की ढोलक
- (ii) बाजार दर्शन
- (iii) नमक
- (iv) भक्तिन

(छ) हरिवंश राय 'बच्चन' फारसी के किस कवि से प्रभावित थे?

(i) उमर खय्याम

(ii) फिरदौसी

(iii) नसरुद्दीन

(iv) अज़राक़ी

4. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) मेरा प्रिय शिक्षक

(ख) मेघालय के हस्तशिल्प

(ग) राष्ट्रभाषा हिन्दी

(घ) सोशल मीडिया—लाभ और हानि

(ङ) खेल-कूद का महत्त्व

5. अपने बड़े भाई को छात्रावास में रहने का आनंद बताते हुए एक पत्र लिखिए। 10

अथवा

पहली बार अपने विद्यालय में पुरस्कार प्राप्त करने पर अपना अनुभव बताते हुए मित्र को एक पत्र लिखिए।

अथवा

आपको अपने मोहल्ले की राशन दुकान से आवश्यक वस्तुएँ कभी ठीक समय पर उचित मूल्यों पर नहीं मिलतीं। इसकी सूचना देते हुए खाद्य आपूर्ति विभाग अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से (क) अथवा (ख) का उत्तर दीजिए :

(क) निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

10

एक दार्शनिक अपने एक शिष्य के साथ एक छायादार वृक्ष के नीचे बैठा ज्ञान-चर्चा कर रहा था। शिष्य शंकाएँ उपस्थित करता था और गुरु उनका समाधान। सहसा विषयान्तर करते हुए शिष्य ने कहा, “गुरुदेव! इस वृक्ष के आकार में मुझे एक भयंकर विषमता दिखाई दे रही है। कृपया प्रश्न करने की आज्ञा दीजिए।” गुरु की

अनुमति पाकर शिष्य ने कहा, “देखिए, इसका तना कितना मोटा है और शाखाएँ उत्तरोत्तर बारीक होती गई हैं। क्या यह तने की स्वार्थवृत्ति का परिचायक नहीं है?”

गुरु ने क्षण भर मौन के पश्चात् मुस्कराते हुए उत्तर दिया, “वत्स! तुम्हारी शंका निराधार नहीं। परन्तु याद रखो, तना सारे वृक्ष के पोषक तत्त्व का कोश तथा वितरक है। वह सब शाखाओं को यथावश्यकता भोजन देता है। या यूँ कहे कि प्रत्येक शाखा अपने आकारानुसार इससे भोजन ले लेती है। देखो, जो शाखा जितनी मोटी है वह उतना ही अधिक पोषक तत्त्व लेती है और वह उतनी ही भूमि के पास है अर्थात् नीची है। वही शाखा ऊँची है जो कम लेती है। ऊँचा वही उठता है जो कम लेता है।”

समाज एक तना है और सारे सदस्य उसकी शाखाएँ। महान् वही बनता है जो समाज से कम लेता है। समाज से लेना अर्थात् मात्र अपने अधिकारों की प्राप्ति का प्रयास करना। अधिकार तो कर्तव्य का फल होता है। अतः कर्तव्य किए बिना अधिकार भोग की इच्छा घोर अन्याय है क्योंकि इस प्रकार व्यक्ति किसी और के कर्तव्य के फल को भोगने का इच्छुक होता है। इस अन्याय को दूर किए बिना कोई भी समाज उन्नति के पथ पर अग्रसर नहीं हो सकता। अतः प्रत्येक व्यक्ति का यह पुनीत कर्तव्य होना चाहिए कि वह इस अन्याय का डटकर विरोध करे ताकि समाज निवन्धि रूप से सतत् उन्नति करता रहे।

- | | |
|--|---|
| (i) शिष्य किसके साथ बैठा था? वे क्या कर रहे थे? | 2 |
| (ii) शिष्य को वृक्ष के आकार में विषमता क्यों दिखाई दी? | 2 |
| (iii) गुरु ने तने और वृक्ष का क्या संबंध बताया है? इससे गुरु ने क्या समझाने का प्रयास किया है और कैसे? | 2 |
| (iv) पुनीत कर्तव्य किसे कहा गया है और क्यों? | 3 |
| (v) उपर्युक्त गद्यांश का एक उचित शीर्षक दीजिए। | 1 |

अथवा

- | | |
|---|-------|
| (ख) (i) निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए (कोई चार) : | 1×4=4 |
| (अ) भाव + अर्थ | |
| (आ) सूर्य + उदय | |
| (इ) पो + अन | |

(6)

- (ई) मनः + कामना
(उ) जगत् + ईश
(ऊ) सु + आगत

- (ii) निम्नलिखित शब्दों के समास-विग्रह कीजिए (कोई तीन) : 1×3=3
(अ) हस्तलिखित
(आ) सत्याग्रह
(इ) सप्तऋषि
(ई) प्रदूषणरहित
(उ) सूरज-चाँद

- (iii) निम्नलिखित वाक्यों में से सरल, मिश्र और संयुक्त वाक्य पहचानिए (कोई तीन) : 1×3=3
(अ) जल्दी चलिए अन्यथा बहुत देर हो जाएगी।
(आ) हिरन ही एक ऐसा पशु है, जो कुलोंचे भरता है।
(इ) जो बच्चा गड्ढे में गिरा था, उसे पुलिस ने बाहर निकाल लिया।
(ई) फूल की पंखुड़ियाँ टूटकर बिखर गईं।
(उ) वह केवल मेधावी नहीं बल्कि चतुर भी है।

(PART : B—DESCRIPTIVE)

(Marks : 50)

7. निम्नलिखित पद्यों/अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 5×2=10

- (क) मैं निज रोदन में राग लिए फिरता हूँ,
शीतल वाणी में आग लिए फिरता हूँ,
हो जिस पर भूषों के प्रासाद निछावर,
मैं वह खंडहर का भाग लिए फिरता हूँ।

अथवा

जथा पंख बिनु खग अति दीना। मनि बिनु फनि करिबर कर हीना॥
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही। जौ जड़ दैव जिआवै मोही॥

(7)

अथवा

जीर्ण बाहु, है शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर!
चूस लिया है उसका सार,
हाड़-मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार!

- (ख) कोई अपने को न जाने तो बाजार का यह चौक उसे कामना से विकल बना छोड़े।
विकल क्यों, पागल। असंतोष, तृष्णा और ईर्ष्या से घायल कर मनुष्य को सदा के
लिए यह बेकार बना डाल सकता है।

अथवा

समाज को यदि अपने सदस्यों से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करनी है, तो यह तो
संभव है, जब समाज के सदस्यों को आरंभ से ही समान अवसर एवं समान
व्यवहार उपलब्ध कराए जाए।

अथवा

नए राजकुमार ने विलायत से आते ही राज्य को अपने हाथ में ले लिया। राजा
साहब के समय शिथिलता आ गई थी। राजकुमार के आते ही दूर हो गई। बहुत से
परिवर्तन हुए। उन्हीं परिवर्तनों की चपेटाघात में पड़ा पहलवान भी।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में दीजिए (कोई पाँच) : 2×5=10

- (क) बात ने एक शरास्ती बच्चे की तरह कवि से क्या पूछा?
(ख) भोर के नभ की तुलना राख से लिपे हुए चौके के साथ क्यों की गई है?
(ग) सिख बीबी ने लाहौर के बारे में क्या बताया?
(घ) किसने किस विश्वास के आधार पर लक्ष्मण को राम के साथ भेजा था?
(ङ) बाजार के जादू से बचने का क्या उपाय हो सकता है?
(च) राजा साहब ने बीच में ही कुश्ती क्यों रुकवा दी थी?
(छ) चार्ली सबसे ज्यादा स्वयं पर कब हँसता है?

(8)

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए (कोई दो) :

5×2=10

- (क) 'बादल राग' नामक कविता के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।
- (ख) “‘आत्म-परिचय’ कविता दुनिया के साथ कवि की प्रीति-कलह की कविता है।” स्पष्ट कीजिए।
- (ग) जातिप्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का भी एक कारण कैसे बनती रही है?
- (घ) लुट्टन के कितने पुत्र थे? उन्हें लुट्टन ने क्या शिक्षा दी?
- (ङ) बचपन की किन दो घटनाओं ने चार्ली के जीवन पर गहरा व स्थायी प्रभाव डाला?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

5×4=20

- (क) ऐन को बुधवार तक अपनी जिन्दगी में आए बड़े परिवर्तन के बारे में सोचने का अवसर क्यों नहीं मिला?
- (ख) ऐन के अनुसार युद्ध में घायल सैनिक गर्व का अनुभव क्यों कर रहे थे?
- (ग) लेखक ने सिन्ध के अजायबघर में मुअनजो-दड़ो से जुड़ी किन वस्तुओं का उल्लेख किया है?
- (घ) “सिन्धु-सभ्यता ताकत से शासित होने की अपेक्षा समझ से अनुशासित सभ्यता थी।” स्पष्ट कीजिए।
- (ङ) ऐन ने अपने थैले में कौन-कौन से अजीबोगरीब चीजें भरीं और क्यों?
- (च) बहुत अँधेरा हो जाने के बाद ऐन और उसकी बहन अपना समय किस प्रकार व्यतीत करती थी?
- (छ) “मुअनजो-दड़ो नगर नियोजन की अनूठी मिसाल है।” स्पष्ट कीजिए।

★ ★ ★